राजभाषा सुभाषिनी

2019

एन बी सी एफ डी सी
NBCFDC

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम

(भारत सरकार का उपक्रम, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय)

एन. बी. सी. एफ. डी. सी. के उद्देश्य

एन. बी. सी. एफ. डी. सी. सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तत्वावधान में भारत सरकार का उपक्रम है । इस निगम को कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 25 के अर्न्तगत (अब कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8) एक लाभ मुक्त कम्पनी के रुप में 13 जनवरी, 1992 को स्थापना की गई । इसका उद्देश्य संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा नामित राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियों (एस. सी. ए.) सरकारी बैंकों/क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के माध्यम से दोहरी गरीबी रेखा से नीचे जीवन – यापन कर रहे पिछड़े वर्ग के व्यक्तियों के लाभ के लिए आर्थिक और विकासात्मक कार्यकलापों को प्रोत्साहित करना है ।

मुख्य उद्देश्य :

कम्पनी के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित है :-

1. पिछड़ी जातियों के लाभ के लिए आर्थिक एवं विकासात्मक कार्यकलापों को बढ़ावा देना;
2. पिछड़ी जातियों के व्यक्तियों या व्यक्तियों के समूहों की, सरकार द्वारा समय –समय पर निर्धारित आय और / या आर्थिक मानदंडो के आधार पर आर्थिक एंव वित्तीय रुप से व्यावहारिक योजनाओं एवं परियोजनाओं के लिए ऋणों तथा अग्रिम धनराशियों के माध्यम से सहायता करना ।
3. पिछड़ी जातियों के लाभ के लिए स्वरोजगार तथा दूसरे काम के अवसरों को प्रोत्साहित करना;
4. चुने हुए मामलों में, देश में दोहरी गरीबी की रेखा से नीचे रहने वाले पिछड़ी जाति के व्यक्तियों के लिए भारत सरकार द्वारा कम्पनी को अनुदत्त बजटीय सहायता की सीमा तक राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर सरकारी मंत्रालयों/विभागों के सहयोग से रियायती वित्त उपलब्ध कराना;
5. पिछड़ी जातियों को स्नातक एवं उच्चतर स्तरों पर सामान्य /व्यावसायिक/तकनीकी शिक्षा या प्रशिक्षण हेतु बढ़ावा देने के लिए ऋणों का विस्तार करना;
6. उत्पादन इकाइयों के उचित एवं कुशल प्रबंधन के लिए पिछड़ी जातियों की तकनीकी एंव उद्यमीय कुशलताओं के उत्थान में सहायता करना;
7. पिछड़ी जातियों के विकास से जुड़े राज्य स्तरीय संगठनों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराकर वाणिज्यिक निधि प्राप्त करने में या पुनः वित्त उपलब्ध कराकर सहायता करना;
8. अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, पिछड़ी जातियों तथा अल्पसंख्यकों के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा गठित सभी निगमों/बोर्डों के कार्य में, पिछड़ी जातियों के आर्थिक विकास की सीमा तक सहयोग करने तथा इसकी देखरेख करने के लिए शीर्ष संस्था के रुप में कार्य करना ;
9. पिछड़ी जातियों के विकास के लिए सरकार द्वारा निर्धारित नीति तथा कार्यक्रम के कार्यान्वयन को प्रोत्साहित करना ।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम

(भारत सरकार का उपक्रम, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय)

5वीं तल, एन.सी.यू.आई. बिल्डिंग, 3, सीरी इन्स्टीटयूशनल एरिया, अगस्त क्रांति मार्ग, नई दिल्ली–110016
ईमेल : nbcfdc@del3.vsnl.net.in वैबसाईट : www.nbcfdc.gov.in

" एक हिन्दी ही राष्ट्रभाषा की जगह ले सकती है,
कोई दूसरी भाषा नहीं " महात्मा गाँधी

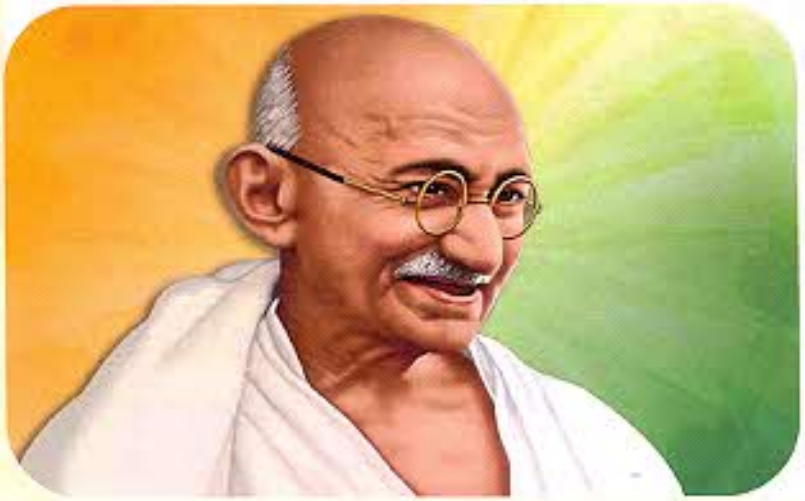

" हमें चाहिए कि हम अपनी भाषाओं का विकास करें और
उनका प्रयोग करें जिन्हें जनता आसानी से समझती है।
इसलिए जनता और प्रशासन के बीच अटूट रिश्ता बनाने के
लिए हमें हिन्दी को सशक्त बनाना होगा " अटल बिहारी वाजपेयी

डॉ. थावरचन्द गेहलोत
DR. THAAWARCHAND GEHLOT
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF
SOCIAL JUSTICE & EMPOWERMENT
GOVERNMENT OF INDIA

सत्यमेव जयते

कार्यालय: 202, सी विंग, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली – 110001
Office : 202, 'C' Wing, Shastri Bhawan,
New Delhi - 110001
Tel. : 011-23381001, 23381390, Fax : 011-23381902
E-mail :min-sje@nic.in
दूरभाष:011-23381001, 23381390,फैक्स: 011-23381902
ई–मेल: min-sje@nic.in

संदेश

यह प्रसन्नता का विषय है कि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम प्रत्येक वर्ष अपनी गृह पत्रिका **'राजभाषा सुभाषिनी'** का प्रकाशन करता आ रहा है।

मेरा मानना है कि भाषा न सिर्फ विचार – विमर्श को संभव बनाती है अपितु जानकारी को प्राप्त करने और विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत जैसे विशाल देश में कई विविधताएं विद्यमान हैं और उनमें से एक है – भाषा। भारतवर्ष की तमाम भाषाओं में हिन्दी सबसे सशक्त एवं प्रभावी भाषा है । इसके साथ ही साथ हिन्दी को केन्द्र सरकार की राजभाषा के रुप में दर्जा प्रदान है जिससे इसकी महत्ता और अधिक बढ़ जाती है । केन्द्र सरकार के कार्यालयों के लिये हिन्दी का उपयोग करना जहां एक ओर संवैधानिक बाध्यता है वहीं दूसरी ओर अपनी योजनाओं और कार्यक्रमों को हिन्दी में प्रचारित एवं प्रसारित करना व्यावसायिक बाध्यता भी है क्योंकि हिन्दी देश के ज्यादातर हिस्सों में बोली, पढ़ी व लिखी जाती है । निगम के लिये यह अच्छी बात है कि दोनों ही बाध्यताएं एक – दूसरे की पूरक हैं । यह निगम के कर्मिकों को हिन्दी में कार्य करने का एक अवसर प्रदान करता है। मैं आशा करता हूं कि निगम अपने कामकाज में हिन्दी भाषा का अधिक से अधिक प्रयोग कर राजभाषा नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करेगा।

मेरी ओर से पत्रिका के सफल संपादन हेतु शुभकामनाएं।

9.8.17

(थावरचन्द गेहलोत)

कृष्ण पाल गुर्जर
KRISHAN PAL GURJAR

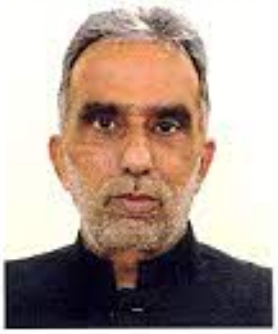

No. 96/VIP/MOS (SJ&E)/13/05/2019

सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री
भारत सरकार

MINISTER OF STATE FOR
SOCIAL JUSTICE & EMPOWERMENT
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी अपनी गृह पत्रिका "राजभाषा सुभाषिनी" का प्रकाशन करने जा रहा है।

तेजी से बदलते परिदृश्य मे हिन्दी भाषा अपना स्थान बना रही है। देश की संसद से लेकर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों तक हमारे राजनेता अधिकांशतः हिन्दी भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। पूर्व की तुलना में अब विभिन्न मंत्रालय भी हिन्दी में कार्य करने हेतु अधिक सजग प्रतीत हो रहे हैं। भारत सरकार के विभिन्न कार्यक्रम, समारोह, आयोजनों इत्यादि में हिन्दी का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है। हमारे अधीनस्थ निगम एवं संस्थान अपना अधिकांश कार्य हिन्दी में करने लगे हैं। यह सब उपाय हिन्दी भाषा के प्रति भारत सरकार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हैं।

मुझे आशा है कि निगम अपने आंतरिक एवं बाह्य कार्यों में हिन्दी का अधिक–से–अधिक प्रयोग कर अपने लक्षित वर्ग से जुड़ाव का दायरा बढ़ाने में सफल हो सकेगा।

पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु मेरी शुभकामनाएं।

(कृष्ण पाल गुर्जर)

Office : 301, 'A' Wing, Shastri Bhawan, Dr Rajender Prasad Road, New Delhi - 110001 Tel : 011-23072192, 23072193, Fax : 011-23072194

रामदास आठवले

सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री
भारत सरकार

MINISTER OF STATE FOR
SOCIAL JUSTICE & EMPOWERMENT
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

दिनांक :14/08/2019

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम अपनी वार्षिक हिन्दी गृह पत्रिका "राजभाषा सुभाषिनी" का प्रकाशन करने जा रहा है ।

भाषा की दृष्टि से हिन्दी का प्रयोग आपसी सौहार्द और भाईचारा को बढ़ाने का सबसे प्रबल माध्यम है जो अन्ततः सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकता को सुचारु बनाता है ।

कार्यालयी कार्यों में हिन्दी भाषा का अधिक से अधिक प्रयोग करने हेतु निगम द्वारा किए जा रहे इस प्रयास की मैं सराहना करता हूँ ।

'राजभाषा सुभाषिनी' के सफल प्रकाशन हेतु मेरी शुभकामनाएं ।

14.8.19

(रामदास आठवले)

Office : 101, 'C' Wing, Shastri Bhawan, Dr Rajender Prasad Road, New Delhi - 110001 Tel.: 011-23381656, 23381657, Fax : 011-23381669

रतन लाल कटारिया
RATTAN LAL KATARIA

No.112/MOS/(SJ&E-RLK)/VIP/2019
जल शक्ति
एवं
सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF STATE FOR JAL SHAKTI
AND
SOCIAL JUSTICE & EMPOWERMENT
GOVERNMENT OF INDIA

एक कदम स्वच्छता की ओर

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम द्वारा सितम्बर माह में अपनी राजभाषा पत्रिका **'राजभाषा सुभाषिनी'** का प्रकाशन हिन्दी में कार्य करने का उत्साहवर्द्धक वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

हिन्दी भाषा के संबंध में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी का यह वक्तव्य "हमें चाहिए कि हम अपनी भाषाओं का विकास करें और उनका प्रयोग करें जिन्हें जनता आसानी से समझती है। इसलिए जनता और प्रशासन के बीच अटूट रिश्ता बनाने के लिए हमें हिन्दी को सशक्त बनाना होगा" हमें प्रेरणा प्रदान करता है कि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम सहित ऐसे सभी कार्यालय/उपक्रम जो जनता से सीधे जुड़े हैं, जनता की भाषा में ही संपर्क स्थापित करें तभी वे कार्यक्रमों एवं नीतियों का लाभ उठा सकेंगे। मुझे आशा है कि इस पत्रिका के प्रकाशन से निगम हिन्दी में कार्य करने हेतु एक उत्साहवर्द्धक वातावरण बनाने में सफल हो सकेगा।

"**राजभाषा सुभाषिनी**" पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(रतन लाल कटारिया)

Office : 251, 'A' Wing, Shastri Bhawan, Dr Rajender Prasad Road, New Delhi - 110001 Tel. : 011-23383757, 23383745, Fax : 011-23074097
Residence : 4-A, Telegraph Lane, New Delhi -110001, Tel. : 011-23329660

नीलम साहनी, भा. प्र.से.
सचिव
NILAM SAWHNEY, IAS
Secretary
Tel : 23382683
23389184
Fax : 23385180
E-mail : secywel@nic.in
Website : http://www.socialjustice.nic.in

भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
समाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग
शास्त्री भवन, नई दिल्ली – 110001
Government Of India
Minister Of Social Justice & Empowerment
Deptt. of Social Justice & Empowerment
Shastri Bhawan, New Delhi - 110001

संदेश

दिनांक 8 अगस्त, 2019

यह हर्ष का विषय है कि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम हिन्दी के उत्तरोत्तर प्रयोग, प्रगति एवं निगम के उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों व उपलब्धियों आदि को दर्शाने की दृष्टि से अपनी हिन्दी गृह पत्रिका 'राजभाषा सुभाषिनी' का प्रकाशन करने जा रहा है।

किसी भी निगम अथवा संस्थान के कार्मिक नीतियों और कार्यक्रमों को मूर्त रुप प्रदान करते हैं। अतः निगम के कार्मिकों को हिन्दी में कार्य करने हेतु सक्षम और दृढ़ संकल्पित होना आवश्यक है। मेरा सुझाव है कि निगम अन्य माध्यमों के साथ – साथ इलेक्ट्रानिक तकनीक का प्रयोग कर अपने कार्मिकों को हिन्दी में कार्य करने हेतु समर्थ बनाएगा तथा उन्हें कार्यालयी कार्यों को हिन्दी में निष्पादित करने हेतु प्रेरित और प्रोत्साहित करेगा।

मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन की कामना करती हूँ।

नीलम साहनी

(नीलम साहनी)

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम में कार्यनिष्पादन की झलक

क्र.सं.	विवरण	8 वीं योजना	9 वीं योजना	10 वीं योजना	11 वीं योजना	12 वीं योजना (2012-17)	(2017-18) से (2019-20)	सकल 31-12-2019 तक)
1.	बजटीय सहायता (रु. करोड़)	198.90	191.65	69.95	212.00	451.65	320	1444.00
2.	वितरण (रु. करोड़)	197.93	443.63	581.90	842.30	1509.75	1406.20	4981.80
3.	सहायता प्राप्त लाभार्थी (संख्या)	109625	271905	448404	634336	836093	3,90871	2691234

गत् तीन वर्ष की उपलब्धियॉ

ऋण विवरण

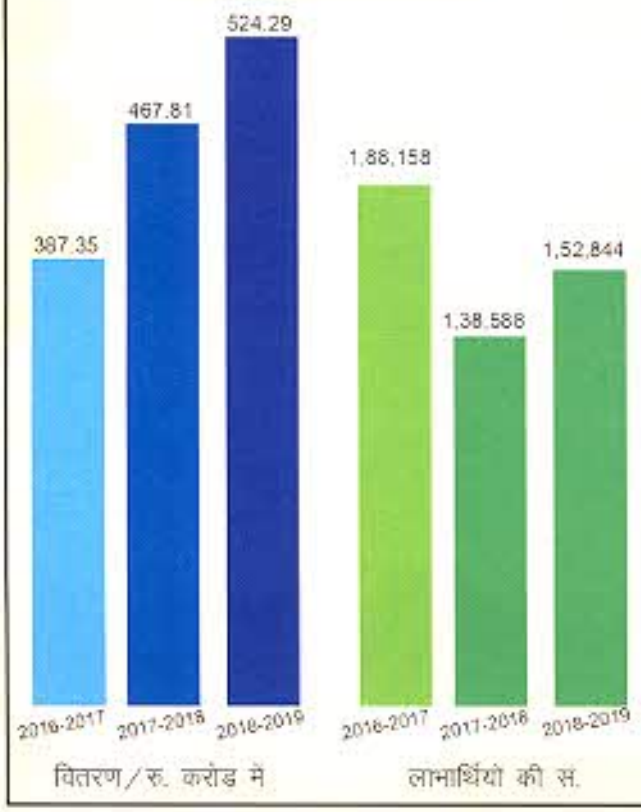

कौशल विकास प्रशिक्षण

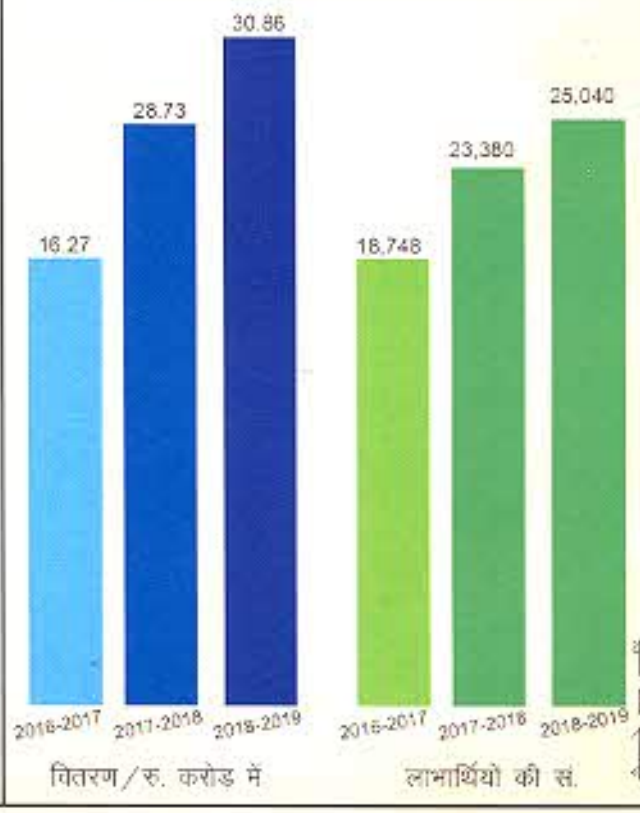

'राजभाषा सुभाषिनी'
सम्पादक मण्डल

संरक्षक :
श्री के. नारायण
प्रबन्ध निदेशक

सम्पादक :
श्री सुरेश कुमार शर्मा
उप महाप्रबंधक (कौ.वि.)
एवं प्रभारी राजभाषा

सह - सम्पादक :
श्रीमती अनुपमा सूद,
महाप्रबंधक (परियोजना)

श्री मो. जावेद अहमद खाँ
राजभाषा अधिकारी

पत्रिका में छपे लेख, कविताओं आदि की प्रमाणिकता की जिम्मेदारी पूर्णतः लेखक की है। इसके लिए निगम प्रबन्धन अथवा सम्पादक मण्डल उत्तरदायी नहीं है ।

यह पत्रिका मुफ्त वितरण हेतु है ।

विषय सूची

1. प्रबन्ध निदेशक की कलम से 10
2. सम्पादकीय 11
3. एन. बी. सी. एफ. डी. सी. में राजभाषा हिन्दी के बढ़ते कदम 12
4. लेख : राजभाषा और निगम का परिवेश
— मो. जावेद अहमद खाँ, राजभाषा अधिकारी 13-14
5. विशेष प्रोत्साहन योजनाएं 14
6. लेख : हिन्दी ज्ञान - उपयोगी ज्ञान
— सारम्मा थॉमस, प्रबन्ध निदेशक के निजी सचिव 15
7. फोटो : राजभाषा कार्यकलापों की झलकियां 16
8. लेख : एन. बी. सी. एफ. डी. सी. योजना के अंतर्गत समूहों का तकनीकी उन्नयन — अनुपमा सूद, महाप्रबंधक (परियोजना) 17-19
9. लेख : चैनल सहभागियों के लिए कार्यनिष्पादन से जुड़ी अनुदान सहायता योजना(पी.एल.जी.आई.ए.) —गगनदीप शर्मा, स. प्रबंधक (परि.) 20-21
10. वार्षिक ब्याज दर सहित योजनाओं का वितरण 22
11. फोटो : शिल्पोत्सव - 2019 की झलकियाँ 23
12. फोटो : भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, 2019 की झलकियाँ 24
13. फोटो : सूरजकुण्ड हस्तशिल्प मेला - 2019 की झलकियाँ 25
14. लेख : ट्रांसजेंडर - एक परिचय
— कु. रंजना, सहायक प्रबंधक (कौशल विकास) 26-27
15. लेख : निगम की कौशल विकास प्रशिक्षण योजना
— इन्दू थापा, वरि. कार्यकारी (कौशल विकास) 28-29
16. फोटो : कौशल विकास प्रशिक्षण की झलकियाँ 30
17. लेख : एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की पहल से मेवात में खेल प्रशिक्षण - एक संक्षिप्त अवलोकन — मुन्ना खालिद, सहायक कार्यकारी 31-32
18. फोटो : खेल दिवस 2019 की झलकियाँ 32
19. लेख : स्वास्थ्य की दिशा में एक प्रयास
— आमिर अजीज, सहायक कार्यकारी 33
20. लेख : "स्वास्थ्य ही धन है"
— अशोक कुमार नागर, अधिकारी (योजना) 34-35
21. फोटो : निगमित सामाजिक दायित्व के अन्तर्गत कार्यकलापों की झलकियाँ 36
22. लेख : मानव संसाधन का प्रबंधन
— पी. आर. पारी, महाप्रबन्धक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) 37
23. लेख : कार्यालयों में श्रेष्ठ कार्यपद्धति का विकास
— गिरीश चंद, सहायक प्रबंधक (ना.सं.) 38-39
24. दाल का फल — बृज किशोर सिंह, वरि. वाहन चालक 39
25. फोटो : मानव संसाधन एवं प्रशासन से संबंधित कार्यकलापों की झलकियाँ 40
26. लेख : वित्तीय निगम में वसूली का प्रबन्धन
— नरेश कुमार, प्रबन्धक (वित्त) 41-42
27. कविताएं : सैनिक का दर्द — बृज किशोर सिंह, (वरिष्ठ वाहन चालक) 42
28. कविताएं : जब जागे तब सवेरा
— अजीत कुमार सामल, महाप्रबंधक (वित्त) एवं कम्पनी सचिव 43
29. कविताएं : नई राह — मो. जावेद अहमद खाँ, राजभाषा अधिकारी 44
30. कविताएं : आम आदमी का जीवन — अनिल कुमार, प्रबन्धक 44
31. कविताएं : मेरा भारी भरकम बस्ता — सीमा सिंह, प्रबन्धक (कौ.वि.) 45
32. कविताएं : देश प्रेम — हरीश सती, वरि. कार्यकारी 45
33. कविताएं : अपूर्ण जीवन — इकरा रहमान 46
34. कविताएं : बीत गया बचपन — आयशा रहमान 46
35. लेख : स्वच्छता पर कल के लाडरिओं के लेख 47-48